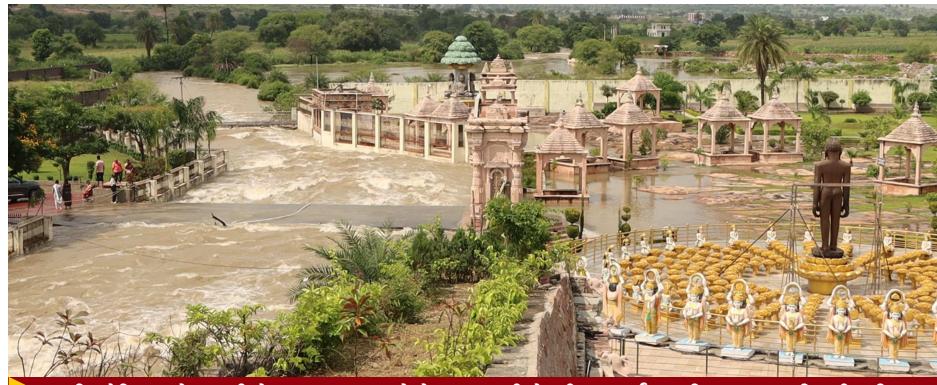




# टीजवाड़ा प्रदेश

## तिलस्वा में जलप्रलय से गांव ढूबा बिजौलिया में बादल फटे जैसे हालात

एक ही दिन में 200 मिमी (7.87 इंच) बारिश, नदियां-झरने उफान पर, मंदिरों तक घुसा पानी



बिजौलिया : रेवा नदी के उफान पर आने के बाद पानी के बीच पार्श्वनाथ स्थित गगन विहारी मंदिर



भौतिक फोकस @ बिजौलिया



बिजौलिया : तिलस्वा में सड़क पर चलती नाव



बिजौलिया : मुख्य गेट पर भरे पानी में डूबी बस



बिजौलिया : पुलिया से ऊपर बहती पलकी नदी



बिजौलिया : जलमग्न हुआ तिलस्वा



बिजौलिया : रेस्क्यू करती सिविल डिफेंस टिम



बिजौलिया : तिलस्वा में निरीक्षण के दौरान जायजा लेते कलेक्टर

तिलस्वा गांव में भरा 4-5 फीट पानी, मंदिर में घुसा जल, श्रद्धालु धर्मशालाओं में शिफ्ट  
रविवार रात से सोमवार शाम तक बिजौलिया क्षेत्र में 200 मिमी की बारिश 7.87 इंच बारिश दर्ज की गई, जिससे क्षेत्र में बाढ़ जैसे हालात बन गए। पलकी नदी में 4 फीट तक पानी बहने लगा, रेवा नदी और छाई बाई पुलिया भी ओवरफल्ट हो गई। मंडल बांध पर 3 फीट की चादर चलने लगी। मेनाल, भीमलत, भड़क और सेवन फॉल जैसे प्रसिद्ध जलप्रपात उफान पर बहने लगे। यह इस मानसून सीजन में दूसरा मौका है जब एक ही दिन में इतनी अधिक बारिश दर्ज की गई है। इससे पहले 14 जुलाई को बिजौलिया में 218 मिमी 8.58 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई थी।

### तिलस्वा गांव में भरा 4-5 फीट पानी, मंदिर में घुसा जल, श्रद्धालु धर्मशालाओं में शिफ्ट

लगातार बारिश से तिलस्वा गांव पूरी तरह जलमग्न हो गया है। गांव के अधिकांश हिस्सों में 4 से 5 फीट तक पानी भर गया, जिससे घरों, दुकानों और मंदिर परिसर में पानी घुस गया। तिलस्वा तीर्थ मंदिर तक पहुंचने वाले रस्ते भी डूब गए। श्रद्धालुओं को प्रशासन ने धर्मशालाओं में सुरक्षित ठहराव कराया। एरु नदी पर बनी पुलिया पर 8 फीट तक पानी बह रहा है, जिससे गांव का संपर्क कट गया है। गांव की पाल के पास की कई दुकानें डूब गईं और कई घरों में पानी भर गया।

हालात की गंभीरता को देखते हुए रविवार रात 1 बजे से ही तहसीलदार ललित डिडवानिया और कांसा चौकी प्रभारी नरेश सुखवाल मर्चे पर जुटे हुए हैं। सिविल डिफेंस की टीम भी तैनात है ताकि किसी भी अनहोनी से बचा जा सके।

जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधु, एडीएम सिटी प्रतिभा देवेंटिया, उपर्युक्त अधिकारी अजीत सिंह समेत प्रशासनिक अधिकारी सोमवार को मौके पर पहुंचे और राहत व्यवस्थाओं का जायजा लिया। प्रशासन ने इस दौरान अपील करते हुए कहा है कि ग्रामीण अनावश्यक रूप से बाहर न निकलें, बहाव वाले इलाकों से दूर रहें और किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन से तुरंत संपर्क करें।

- ड्रेन साक्षर प्रभु लाल गुर्जर





